→ राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक

① समुद्रों से दूरी

- → कच्छ की खाड़ी से राज्य की दूरी = 225 Km.
- → खम्भात की खाड़ी ...... → 275 Km
- → अरब सागर ...... → 350-400 Km.
- → बंगाल की खाड़ी ..... → 2900 Km.

② धरातलीय उच्चावच

धरातल एक समान नां होना (कहीं पर्वत, पठार, मैदान)

③ समुद्र तल से ऊँचाई

↳ राज्य की समुद्र तल से ऊँचाई - 370 मीटर

④ अरावली पर्वत माला की स्थिति :→

⑤ जनसंख्या वृद्धि

⑥ अक्षांशीय स्थिति

⑦ प्राकृतिक वनस्पति

⑧ खण्ड वृष्टि → किसी स्थान पर वर्षा होना व आसपास वर्षा ना होना

(9) अतिवृष्टि → अधिक वर्षा

(10) अनावृष्टि → वर्षा ना होना

→ जलवायु के आधार पर ऋतुओं का वर्गीकरण → 3

ऋतु - 3

1. ग्रीष्म ऋतु
   - मार्च - मध्य जून
2. वर्षा ऋतु
   - मध्य जून - सितम्बर
3. शीत ऋतु
   - अक्टूबर - फरवरी

नोट :→ शीत ऋतु को दो भागो मे विभाजित किया जाता है।

1. मानसून का प्रत्यावर्तन काल
   - अक्टूबर - नवम्बर
2. शरद ऋतु
   - दिसम्बर - फरवरी

① **ग्रीष्म ऋतु :→**

मार्च के बाद सूर्य उत्तरायण होने लगता है तो उत्तरी गोलार्द्ध/भारत/राजस्थान मे गर्मी बढ़ने लगती है।

→ जब सूर्य 21 जून को कर्क रेखा पर सीधा चमकता है तो यह दिन उत्तरी गोलार्द्ध/भारत/राजस्थान का सबसे बड़ा व गर्म दिन होता है।

→ 21 जून की रात उत्तरी गोलार्द्ध की सबसे छोटी रात होती है।

#→ अप्रैल-मई व जून के महिने मे पश्चिमी राजस्थान मे पश्चिम से पूर्व की तरफ गर्म हवा चलती है जिसे स्थानीय भाषा में लू कहते है।

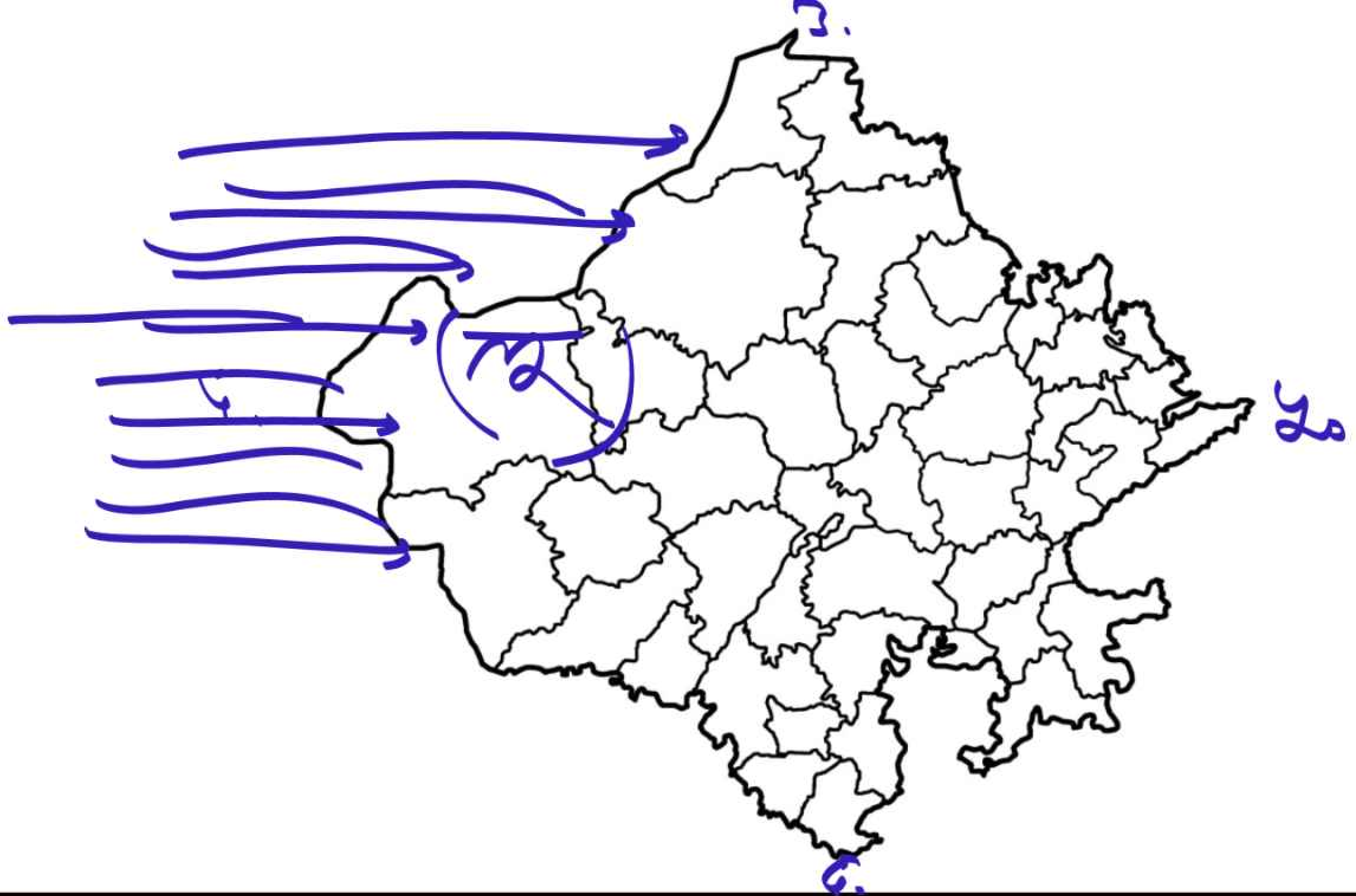

→ पश्चिमी प्रदेश मे ग्रीष्म ऋतु मे गर्म हवा ऊपर उठती है व ठण्डी हवा नीचे आती है। गर्म हवा ऊपर उठने के कारण किसी स्थान का अचानक वायु दाब कम हो जाता है। व चारो तरफ का वायु दाब अधिक होता है तो धूल का बवन्डर बनकर ऊपर उठता है तो इसे भभूल्या या अरडाव कहते है।

→ राज्य का औसत तापमान → 37°C से 38°C तक रहता है।

→ राजस्थान के पश्चिमी भाग मे बालू मिट्टी के नीचे चुने का जमाव अधिक होने के कारण अपेक्षाकृत दिन व रात के तापमान मे अन्तर अधिक रहता है।

→ ग्रीष्म ऋतु में राज्य का औसत वायुदाब 997 मिलीबार रहता है।

→ शुष्क क्षेत्र से आर्द्र की तरफ वायुदाब घटता जाता है।

→ शीत ऋतु (दिसम्बर-जनवरी) में भी गंगानगर व बीकानेर का वायुदाब सर्वाधिक (1018 मिलीबार) रहता है।